VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS RECEIVED 16 JUL 2018 NO. 03

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1068)

Name of Candidate	Sunil Kumar Dhanwanta		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	109506
Center	KB	Date	16/07/18

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
2. There are TWENTY questions printed in ENGLISH.
3. All questions are compulsory.
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. There are many challenges in sustainably scaling up renewable energy in India. Analyse. Also, discuss what can be done to address these challenges.
(150 words) 10

भारत ने अपने 'INDC (Intended Nationally determined Contribution') के तहत 2030 तक कुल ऊर्जा का 40% नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है।

परन्तु इन लक्ष्य को प्राप्त करने व नवीकरणीय ऊर्जा के सतत् विकास के क्षेत्र में निम्नलिखित चुनौतियां विद्यमान है-

(क) उन्नत तकनीक व प्रौद्योगिकी का अभाव

(ख) सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा की तकनीकों का महँगा होना

(ग) वित्त की कमी

(घ) भारत के समक्ष सामाजिक व आर्थिक विकास की चुनौति

(च) भारत द्वारा इस क्षेत्र में शोध व अनुसंधान की निम्न स्थिति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रमुख उपाय-

(क) ग्रीन बॉण्ड के द्वारा वित्त प्राप्त करने पर बल देना

(ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के द्वारा विकसित देशों से उपयुक्त तकनीक प्राप्त करना।

(ग) पेरिस समझौते व ग्रीन क्लाइमेट फण्ड के सफल क्रियान्वयन हेतु अंतर्राष्ट्रीय मतैक्य विकसित करना

(घ) इस क्षेत्र में शोध व नवाचार को बढ़ाना

~~अतः~~

चूंकि भारत एक विकासशील देश है तथा इसके समक्ष औद्योगिक व सामाजिक विकास की चुनौतियां विद्यमान है अतः भारत द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के द्वारा इस समस्या के समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The policies and indicators introduced by the government, in recent times, to finance urban development in India are key in addressing the existing challenges. Discuss with special reference to municipal bonds.

(150 words) 10

भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 31% भाग शहरों में निवास करता है तथा शहर भारत की GDP में लगभग 70% योगदान देते है। अतः शहरों का विकास देश के विकास हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

भारत सरकार की नीतियाँ एवं संकेतक

(क) नगरपालिका बॉण्ड जारी करने संबन्धी सेबी के दिशा- निर्देश

(ख) क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियों जैसे क्रिसिल द्वारा शहरों की रेटिंग जारी करना ताकि उनकी निवेश आकर्षण क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके

(ग) स्वच्छ भारत अभियान के तहत 'स्वच्छ सर्वेक्षण'

नगरपालिका बॉण्ड -

शहरों की स्थानीय निकायों द्वारा वित्तपोषण

के लिए इन बॉण्ड्स को जारी किया जाता है।

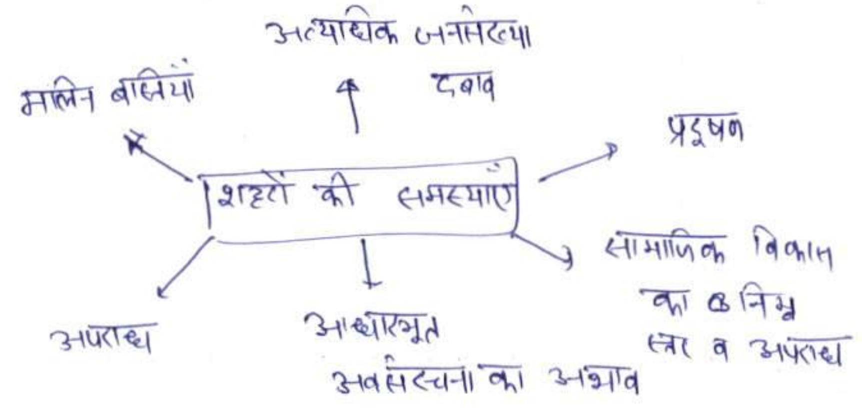

इन निकायों द्वारा इन बाण्ड्स को अनेक दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए जारी कर धन प्राप्त किया जा सकता है। चूँकि इन निकायों के पास वित्त के सीमित संसाधन उपलब्ध होते है अतः इन बॉण्ड्स के द्वारा शहरी विकास में तीव्रता लाई जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. With a number of issues continuing to be a roadblock, a large section of India's rural population is still 'financially excluded'. Discuss. Analyse how these issues can be addressed and the measures taken by the government and RBI recently in this regard. (150 words) 10

समाज के हाशिए पर स्थित वर्ग तक वित्तीय सेवाओं की पहुँच को वित्तीय समावेशन की संज्ञा दी जाती है। नचिकेत मोर समिति ने इस संबन्ध में अपने सुझाव दिए हैं।

वित्तीय समावेशन के समक्ष चुनौतियां

(i) देश के दूर-दराज के क्षेत्रों में बैंक शाखाओं की उपस्थिति का निम्न स्तर

(ii) देश की अधिकांश ग्रामीण जनसंख्या में वित्तीय साक्षरता का निम्न स्तर

(iii) बैंकों द्वारा इस क्षेत्र में कम रुचि दिखाना तथा सरकारी योजनाओं के उचित कार्यान्वयन का अभाव

समाधान के उपाय -

(i) बैंकों की शाखाओं, बैंक मित्रों, 'मोबाइल वैन ATM'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इत्यादि के माध्यम से देश के दूर-दराज के क्षेत्र में बैंक सेवाओं को सुनिश्चित करना

(ख) पोस्ट पेमेंट बैंक व लघु वित्त बैंकों की ~~स्थापना~~ स्थापना

(ग) वित्तीय साक्षरता व जागरूकता में वृद्धि करना

सरकार के उपाय -

(i) प्रधानमंत्री जनधन योजना

(ii) वित्तीय साक्षरता अभियान

(iii) भीम एप व आधार भुगतान को प्रोत्साहन

(iv) सब्सिडी व पेंशन का बैंक खातों से लिंकेज

RBI के उपाय.

(i) पेमेंट बैंकों की स्थापना संबन्धी दिशा-निर्देश

(ii) 'व्हाइट लेबल एटीएम' की स्थापना की मंजूरी

इस प्रकार उपर्युक्त उपायों के द्वारा वित्तीय समावेशन को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do you understand by the term 'Environmental Accounting'? Discussing the rationale behind introducing environmental accounting, highlight its status in India. (150 words) 10

विकास के कार्यक्रमों के द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों का लेखा-जोखा करना ही पर्यावरण लेखांकन कहलाता है।

→ इसमें पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की आर्थिक कीमत की गणना की जाती है

→ अनेक परियोजनाओं के कारण होने वाली पर्यावरणीय क्षति की गणना कर उसको प्रोजेक्ट मूल्य में शामिल किया जाता है।

पर्यावरणीय लेखांकन का औचित्य

(i) पर्यावरणीय क्षति का आर्थिक मूल्यांकन ताकि उसकी क्षतिपूर्ति के लिए कदम उठाया जा सके

(ii) लोगों व सरकार को पर्यावरण के संबन्ध में जागरूक बनाया जा सके

(iii) क्षति की गणना करने के पश्चात शमन उपायों (mitigation measures) पर चर्चा की जा सके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में स्थिति -

(i) पर्यावरणीय सुरक्षा अधिनियम, 1986 में इसकी वैद्य (legal) व्यवस्था की गई
(ii) 1993 में एक अधिसूचना के द्वारा अनेक परियोजनाओं जैसे विद्युत, कोयला, परमाणु ऊर्जा इत्यादि के लिए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन की व्यवस्था

हालांकि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार व धीमी न्यायिक प्रक्रिया के कारण उपर्युक्त प्रावधानों को उचित ढंग से लागू नहीं किया जा रहा है। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा एवं सतत विकास के लिए पर्यावरणीय लेखांकन को समुचित रूप से लागू करने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While access to irrigation is important, efficiency of water use is equally, if not more, crucial. Examine. (150 words) 10

भारत का लगभग 70% क्षेत्र शुष्क या अर्द्धशुष्क दशाओं के अन्तर्गत आता है। इसी के साथ ही मानसून की अनिश्चितता के कारण पानी की कमी का सामना करना पड़ता है।

इसलिए भारत में सिंचाई का अत्यधिक महत्त्व है। इसी के साथ भारत की लगभग 70% जनसंख्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।

इसलिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने व आर्थिक विकास के लिए सिंचाई का कृषि में महत्वपूर्ण स्थान है।

सिंचाई क्षेत्र की समस्याएँ

(i) बाढ़ सिंचाई के कारण पानी का बर्बाद होना तथा लवणता की समस्या

(ii) पानी के आधिक्य के क्षेत्रों से जल को न्यूनता वाले क्षेत्रों में पहुँचाने के लिए आवश्यक अवसंरचना की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसलिए जल उपयोग दक्षता को प्रयास करना चाहिए।

प्रमुख उपाय.

(i) बाढ़ सिंचाई की जगह बूंद-बूंद सिंचाई तथा फव्वारा सिंचाई को प्राथमिकता

(ii) क्षेत्र की जल की उपलब्धता के आधार पर फसलों का चयन करना

(iii) 'फर्टिगेशन' की सहायता से जल व उर्वरक संरक्षण

(iv) जल के पुनर्वितरण हेतु अवसंरचना विकास

(v) जोहड़, तालाब इत्यादि का निर्माण

इस प्रकार जल उपयोग दक्षता के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ाकर कृषि विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. For a holistic approach to disaster risk reduction, there is a need to mainstream indigenous traditional knowledge and link it with modern technologies. Analyse. (150 words) 10

अनेक अध्ययनों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि सन् 2004 की सुनामी के दौरान अण्डमान निकोबार द्वीप समूह पर बसने वाली अनेक जनजातियों ने अपने परंपरागत ज्ञान के द्वारा इसका सामना करने में सफलता प्राप्त की थी।

आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत आपदा जोखिम न्यूनीकरण एक महत्त्वपूर्ण आयाम है। इसके अन्तर्गत ऐसे उपायों को शामिल किया जाता है जिनके द्वारा समाज व अर्थव्यवस्था पर आपदा के प्रभावों को न्यूनतम किया जा सके।

परम्परागत ज्ञान के पक्ष में तर्क

(i) यह स्थानीय रूप में उपलब्ध होता है तथा आपदा के दौरान तुरन्त काम में लाया जा सकता है

(ii) ~~यह ज्ञान~~ कई बार दुर्गम क्षेत्रों में सरकारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तंत्र का पहुँचना कठिन होता है अतः वहाँ इस ज्ञान का प्रयोग उपयोगी साबित हो सकता है।

विपक्ष में तर्क

(i) यह ज्ञान लोगों के अनुभव पर आधारित होता है अतः इसके द्वारा भविष्य की आपदाओं का पूर्वानुमान सटीक रूप से करना संभव नहीं है

(ii) इससे खतरे को कम किया जा सकता है। परन्तु तकनीक के इस्तेमाल से इसे न्यूनतम किया जा सकता है।

अतः हमें परम्परागत ज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान के संश्लेषण की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What do you understand by food irradiation? Highlighting some of its unique applications, examine its relevance for India. **(150 words) 10**

विभिन्न विकिरणों जैसे पराबैंगनी विकिरणों के प्रयोग से खाद्य पदार्थों में उपस्थित हानिकारक जीवाणुओं व विषाणुओं को समाप्त करने की प्रक्रिया खाद्य विकिरण कहलाता है।

खाद्य विकिरण के अनुप्रयोग

(i) खाद्य पदार्थों में मौजूद नकारात्मक व हानिकारक जीवाणुओं की समाप्ति

(ii) खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में वृद्धि

(iii) विभिन्न बीमारियों का जोखिम ~~कम~~ कम

(iv) उत्पादन प्रक्रिया के दौरान प्रवेश हुए अवांछित जीवाणुओं की समाप्ति

(v) खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अनुप्रयोग

(vi) डिब्बाबंद पदार्थों की सुरक्षा

(vii) पेयजल को स्वच्छ बनाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत के लिए महत्व:

(i) खाद्य सुरक्षा में योगदान

(ii) कुपोषण को कम करने में सहायक

(iii) लोगों तक स्वच्छ व सुरक्षित खाद्य पदार्थ पहुँचाने में सहायता

परन्तु भारत के पास इसके लिए उपयुक्त अवसंरचना व तकनीक का अभाव है जिसको सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Whereas misuse of technology has abetted the spread of fake news, it is with the aid of technology that this menace can be curbed. Elaborate.

(150 words) 10

भारत में हाल ही वाटसएप पर फैली अनेक झूठी खबरों के कारण विभिन्न क्षेत्रों 20 लोगों की हत्या कर दी गई।

प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग व फेक न्यूज़.

(i) असली वीडियों के साथ छेड़छाड़ कर गलत संदेश प्रसारित करना

(ii) सोशल मीडिया पर संदेश लघुगणकीय गति से प्रसारित होता है अतः फेक न्यूज को सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से फैलाया जा सकता है

(iii) सोशल मीडिया पर पर्याप्त सरकारी नियंत्रण का अभाव → फेक न्यूज प्रसारित करने वालों में भय का अभाव

(iv) पुराने समाचारों एवं सूचनाओं को तकनीकी की सहायता से तोड़ मरोड़कर पेश करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तकनीक का फेक न्यूज रोकने में सहयोग

(i) फेक न्यूज को ट्रैक कर उस पर कार्रवाई करना

(ii) फेक व असली वीडियों को तकनीक के माध्यम से जाँच करना

(iii) सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों में जागरूकता का प्रसार

इस प्रकार तकनीक का फेक न्यूज के प्रसार तथा निवारण दोनों में योगदान हो सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Explain the salient features of the recently established Defence Planning Committee. How can it help in credible defence preparedness?

(150 words) 10

रक्षा नियोजन समिति की स्थापना रक्षा उत्पादन, खरीद इत्यादि को संचालित एवं विनियमित करने हेतु की गई है।

रक्षा नियोजन समिति के पहलू

(i) रक्षा मंत्री, तीनों सेनाओं के प्रमुख व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल

(ii) रक्षा खरीद को मंजूरी देने की शक्ति

(iii) रक्षा के क्षेत्र में उपस्थित चुनौतियों के निवारण के संबन्ध में सलाह देगा

(iv) त्वरित निर्णय लेने में सक्षम

रक्षा नियोजन समिति का योगदान

(i) सेनाओं को हथियारों व उपकरणों की त्वरित उपलब्धता

(ii) निर्णय लेने की गति में तीव्रता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) भ्रष्टाचार में कमी

(iv) रक्षा खरीद में राजनीतिक हस्तक्षेप की अनावश्यक उपस्थिति नहीं

(v) पारदर्शी व उत्तरदायी नीलामी व्यवस्था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Recent reports of Maoist leaders having amassed huge assets in property and cash underlines the significance of probing the funding network as part of counter-terrorism efforts. Discuss. (150 words) 10

देश के समक्ष माओवादी उग्रवाद एक कठिन आन्तरिक सुरक्षा चुनौती प्रस्तुत करता है। इस उग्रवाद का वित्तपोषण इसकी प्रमुख शक्ति है जिस पर अंकुश लगाना अनिवार्य है।

माओवादी नेताओं व उग्रवादियों को निम्न स्त्रोतों से 'फण्डिंग' प्राप्त होती है-

(क) फेक करेंसी का चलन
(ग) हथियारों की तस्करी
(घ) मानव दुर्व्यापार तथा नशीले पदार्थों की तस्करी

हाल ही में प्रस्तुत रिपोर्ट द्वारा स्पष्टतः बताया गया है कि माओवादी नेताओं के पास विशाल मात्रा में धन संपत्ति मौजूद है। अतः इसकी समुचित जांच की आवश्यकता है।

इसके लिए निम्न कदम उठाये जा सकते हैं-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(क) इंटेलीजेंस को सशक्त बनाना

(ख) सीमा सुरक्षा जिसमें स्थलीय एवं जलीय सीमा दोनों शामिल है, को सशक्त बनाना

(ग) सी.बी.आई. एवं 'E.D.' द्वारा इसकी समुचित जाँच करवाना

चूंकि वित्तपोषण इन उग्रवादियों की जीवनरेखा होती है अतः इस पर रोक लगाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है ताकि भारत को आंतरिक रूप से और अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Not only do services MSMEs contribute mightily to the overall GDP growth, they have a powerful, multiplier impact on the local economies as well. Elaborating on the statement, highlight the problems faced by service sector MSMEs. How can the government make it easier for MSMEs to start and grow a business? (250 words) 15

'MSME' से संबन्धित सेवा उद्यम भारत की जी.डी.पी में योगदान करने के साथ-साथ रोजगार बढ़ाने में भी सहायक होते हैं।

इनके प्रमुख योगदान निम्नलिखित हैं-

(क) सेवा क्षेत्र के विकास व निर्यात में योगदान

(ख) रोजगार में वृद्धि

(ग) छोटे शहरों में उद्यमों द्वारा उनका समुचित विकास

(घ) क्षेत्रीय असंतुलन में कमी में सहायक

(च) स्थानीय स्तर पर लोगों के विकास में सहायक जिससे बड़े स्तर पर उद्योगों को सहायता

(छ) ग्रामीण क्षेत्रों या छोटे शहरों में 'B.P.O' की स्थापना से उन क्षेत्रों का समुचित विकास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परन्तु वर्तमान में इन उद्यमों द्वारा अनेक समस्याओं का सामना किया जा रहा जिसमें से मुख्य समस्याएं हैं-

(क) प्रशिक्षित व कुशल मानव श्रम की कमी, क्योंकि ग्रामीण स्तर पर कौशल विकास का निम्न स्तर पाया जाता है

(ख) सरकार द्वारा बड़े सेवा उद्यमों पर ज्यादा फोकस व MSME की उपेक्षा

(ग) इन उद्यमों के निर्यात संवर्धन पर बल नहीं

(घ) अमेरिका द्वारा संरक्षणवाद की नीति के फलस्वरूप निर्यात में कमी

इसलिए इन उद्यमों की समस्याओं के निराकरण हेतु निम्न कदम उठाए जाने चाहिए-

(क) कौशल विकास को बढ़ावा देकर कुशल मानव श्रम की उपस्थिति सुनिश्चित करना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) उद्यम प्रारंभ करने के लिए संपूर्ण पंजीकरण प्रक्रिया को एकल खिड़की प्रक्रिया के माध्यम से सुलभ व सुगम बनाना

(ग) त्वरित व सस्ते ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना

(घ) इनके उत्पादों के विपणन व निर्यात हेतु उपयुक्त नीतियों एवं उपायों की व्यवस्था करना

चूंकि इन उद्यमों का स्थानीय एवं क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान है अतः इनके विकास हेतु त्वरित कदम उठाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Contract Farming has many advantages, however it suffers from market failures. Elaborate. What can the government do to correct problems that lead to contract failures? Also, discuss whether the Model Contract Farming Act, 2018 is a step in the right direction. (250 words) 15

जब किसान व क्रेता एक समझौते के तहत कृषि कार्य का संचालन करते हैं, उसी को संविदा कृषि की संज्ञा दी जाती है।

इसके तहत उत्पाद का क्रेता फसल को खरीदने संबन्धी समझौता किसान के साथ फसल उगाने से पूर्व करता है।

इसके समक्ष निम्न बाजार चुनौतियां विद्यमान हैं -

(क) किसान अपनी फसल के मूल्य का भविष्यगामी मूल्य ~~निकाने~~ निकालने में पूर्णतः सक्षम नही होता

(ख) इसमें मूल्य एवं उत्पाद की उपज के बारे में अनिश्चितता के कारण किसान एवं क्रेता को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन समस्याओं के समाधान हेतु सरकार द्वारा निम्न कदम उठाए जा सकते हैं-

(क) संविदा कृषि के प्रावधानों को सुस्पष्ट करना

(ख) अनिश्चित परिस्थितियों के समय नुकसान होने पर मुआवजे का प्रावधान करना

(ग) संविदा की शर्तों पर विवाद होने पर उसके निपटारे हेतु 'उचित व्यवस्था' का निर्माण करना

(घ) किसानों एवं क्रेताओं के मध्य जागरूकता का प्रसार करना

इसी परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने एक मॉडल कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग एक्ट, 2018 का विकास किया है ताकि राज्य अपनी आवश्यकतानुसार इसको अपने राज्य में लागू कर सके। ज्ञातव्य है कि कृषि राज्य सूची का विषय होता है।

इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित है-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(क) संविदा की शर्तों का उल्लेख

(ख) अनिश्चित काल में हो उठाए जाने वाले कदमों का उल्लेख

(ग) विवाद निपटारा व्यवस्था

परन्तु इनको सभी राज्यों द्वारा पर्याप्त रूचि के साथ लागू नहीं किया जा रहा है अतः इनकी सफलता के समक्ष प्रश्नचिह्न व्याप्त है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Suggest the measures needed to improve the employability of labour force as well as increasing number of employment opportunities in light of structural changes being brought by disruptive technologies.

(250 words) 15

श्रम बल की नियोजनीयता में सुधार के उपाय.

(i) कौशल विकास पर बल

(ii) शिक्षा व्यवस्था को औद्योगिक मांग के अनुरूप बनाना

(iii) श्रम सुधारों को बल देना

(iv) शिक्षा व्यवस्था में क्रान्तिकारी सुधार व शिक्षा को रोजगारी-मुखी बनाना

रोजगार अवसरों को बढ़ाना.

(i) उद्योगों के विकास पर बल - मेक इन इंडिया

(ii) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना

(iii) स्टार्ट अप इंडिया - नवाचार में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. India's trade policy in agriculture, marred by ad-hocism and pro-consumer bias, has constrained realization of export potential, and prevented the farmers from reaping the benefits. Examine the statement and discuss ways, including government initiatives, to improve agricultural exports. (250 words) 15

सरकार के उपाय.

(i) e-NAM का क्रियान्वयन

(ii) GRAMS की स्थापना

(iii) न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि

(iv) Model APMC एक्ट

(v)

कृषि निर्यात

(i) आयात शुल्क लगाना

(ii) निर्यात सब्सिडी

(iii)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Is currency exchange rate a suitable measure of relative economic performance of countries? Despite improving macro-economic fundamentals, trade deficit in India continues to widen. Bring out the factors responsible for this situation. **(250 words) 15**

एक देश की मुद्रा का किसी दूसरे देश की मुद्रा के सापेक्ष मूल्य मुद्रा विनिमय दर कहलाता है।

मुद्रा विनिमय दर के द्वारा देश की आर्थिक स्थिति का काफी हद तक ज्ञान होता है-

→ इससे देश के घरेलू उत्पाद की वृद्धि का ज्ञान होता है

→ देश की बैंकिंग व्यवस्था का ज्ञान होता है

→ देश के वस्तु एवं सेवा उत्पादन तथा उनके आयात- निर्यात का ज्ञान भी होता है

→ देश के अन्दर मंहगाई मुद्रास्फीति का बोध होता है

हालांकि अनेक बार लघुकालिक परिवर्तनों के कारण मुद्रा विनिमय दर भरोसेमंद नहीं होती क्योंकि यह देश के दीर्घकालिक विकास की

तस्वीर प्रस्तुत नहीं करती है। अतः देश के आर्थिक निष्पादन के संकेतक के रूप में इसको पूर्णतया: स्वीकार नहीं किया जा सकता

भारत ने निम्न सुधार किए हैं।
(i) विदेशी व्यापार नीति 2015-20 का कार्यान्वयन
(ii) 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम
(iii) आधारभूत संरचना में सुधार - निर्यात प्रोत्साहन योजना तथा निर्यात अवसंरचना कार्यक्रम

इसके बावजूद व्यापार घाटे के बढ़ने के निम्न कारण हैं:-
(क) उद्योग के विकास व संवृद्धि का अपेक्षित स्तर पर ना होना
(ख) अनेक देशों की ~~संरक्षणवाद~~ संरक्षणवाद की नीतियाँ
(ग) अवसंरचना का अपेक्षित स्तर पर न होना
(घ) 'मेक इन इण्डिया' का अपेक्षित स्तर पर ना होना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(च) इसी के साथ भारत का चीन व अन्य देशों के उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा के कारण भी निर्यात में गिरावट आती है।

(छ) तेल के दामों में वृद्धि

अतः उपयुक्त सुधारों के द्वारा निर्यात में वृद्धि एवं आयात को कम करके व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. It will take much more than relief packages to address the problems being faced by the sugar industry in India. Discuss. (250 words) 15

भारत में चीनी उद्योग एक महत्वपूर्ण विनिर्माण उद्योग है जिसका देश की G.D.P एवं रोजगार पैदा करने में महत्वपूर्ण योगदान है।

परन्तु चीनी उद्योग द्वारा निम्नलिखित समस्याओं का सामना किया जा रहा है-

(क) कच्चे माल की पर्याप्त आपूर्ति में बाधा
(ख) चीनी उत्पादन की मशीनों का पुरानी तकनीकों से संचालित होने के कारण उत्पादकता कम होना
(ग) उत्तम परिवहन की व्यवस्था के अभाव के कारण कच्चे माल अर्थात गन्ने का समय पर मिल पर ना पहुँचने के कारण कम चीनी उत्पादन
(घ) चीनी बाजार की अनिश्चितता

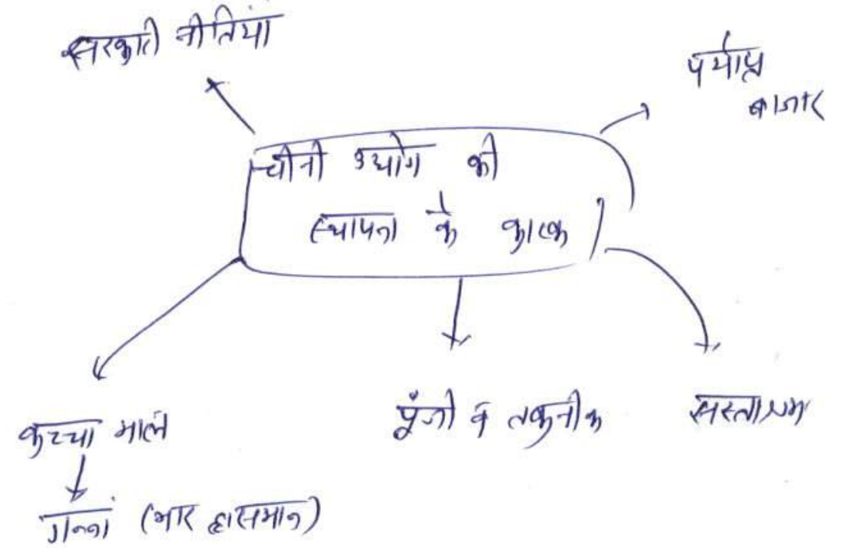

इस क्षेत्र के विकास हेतु सरकार द्वारा उठाए गये कदम निम्नलिखित है -

(क) गन्ना के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि ताकि गन्ना उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा सके

(ख) आधारभूत संरचना के विकास हेतु सरकार के प्रयास

(ग) चीनी की कालाबाजारी व जमाखोरी पर रोक तथा इसे आवश्यक वस्तु एक्ट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के तहत लाना

(घ) नई उन्नत मशीनरी की स्थापना ताकि प्रति इकाई गन्ने से ज्यादा चीनी प्राप्त की जा सके

(च) कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना - प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम

परन्तु उपर्युक्त उपायों के ~~[illegible]~~ अलावा भी सरकारों को इस संबन्ध में और ज्यादा कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि चीनी उद्योग का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. NAPCC, almost 10 years old and formulated with lofty objectives, has not served as the best answer to cope with the impacts of climate change. Critically discuss. (250 words) 15

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा 2008 में NAPCC (~~राष्ट्रीय~~ जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु राष्ट्रीय कार्य योजना) को प्रारंभ किया गया।

इसके अंतर्गत निम्न आठ मिशन शामिल हैं -

(क) राष्ट्रीय हरित विकास ~~के~~ मिशन
(ख) सौर ऊर्जा मिशन
(ग) जल मिशन
(घ) हिमालयी पारिस्थितिकी संबन्धी मिशन
(च) ज्ञान संवृद्धि मिशन
(छ) नवीकरणीय ऊर्जा मिशन
(ज) सतत शहरी विकास मिशन इत्यादि

उपर्युक्त मिशनों के अन्तर्गत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनेक आर्थिक, सामाजिक व पारिस्थितिकीय उपायों का प्रावधान है। परन्तु अनेक कारणों से ये अपेक्षित सफलता को प्राप्त नहीं कर पाये हैं:-

(क) वित्त का अभाव

(ख) कुशल मानव संसाधन का अभाव

(ग) उन्नत प्रौद्योगिकी का अभाव ताकि उत्पादन ~~प्रौद्योगिकी~~ प्रक्रिया को जलवायु के अनुकूल बनाया जा सके

(घ) लोगों में जागरूकता का अभाव

भारत सरकार ने पेरिस समझौते के तहत अपने 'INDC (Intended Nationally determined contribution)' को घोषित किया है जिसके प्रमुख बिन्दु निम्नलिखित हैं-

(क) उत्सर्जन को 2005 के स्तर से 30-35%

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कम करना (2030 तक)।

(ख) 2.5 लाख गीगाटन के कार्बन सिंक का निर्माण

(ग) 2030 तक कुल ऊर्जा का 40% नवीकरणीय स्त्रोतों से प्राप्त करना

अतः उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार को तुरन्त उचित उपाय करने की आवश्यकता है।

18. Proliferation of nuclear weapons and the threat of their use are key concerns for global security nonetheless existing international arrangements seem to be ineffective. Comment. Also, identify the salient features of India's policy in this context and discuss whether India should join the NPT in the current form. (250 words) 15

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु हथियारों की मात्रा में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। उत्तरी कोरिया के द्वारा बार- बार परमाणु हमले की धमकी देना तथा अनेक गैर- जिम्मेदार देशों के पास इनकी उपस्थिति के कारण वैश्विक शान्ति के समक्ष संकट मंडरा रहा है।

परमाणु अप्रसार के लिए वर्तमान में व्याप्त व्यवस्थाएं

(i) NPT - परमाणु अप्रसार सन्धि (1967)
(ii) CTBT - व्यापक परीक्षण प्रतिबन्ध सन्धि
(iii) PTBT
(iv) 2017 में संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में संपन्न परमाणु अप्रसार समझौता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परन्तु निम्नलिखित कारणों से ये व्यवस्थाएं ~~अप्रभा~~ अप्रभावी सिद्ध होती प्रतीत हो रही हैं-

(क) विकसित देशों, जिनके पास परमाणु हथियार हैं, उनके द्वारा इनका ईमानदारी से पालन ना करना

(ख) इन संधियों का भेदभाव पूर्ण होना

भारत की परमाणु ~~हथ~~ हथियारों के संबन्ध में नीति.

(क) भारत 'नो फर्स्ट यूज पॉलिसी' का पालन करता है

(ख) भारत स्वतंत्रता के बाद से ही ~~छ~~ परमाणु अप्रसार के पक्ष में रहा है। श्री राजीव गांधी का 1988 ~~का~~ में UNO में संबोधन इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है

(ग) भारत उतने ही हथियारों को संग्रहित करता है जिससे न्यूनतम प्रतिरोधक क्षमता विकसित की जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत का NPT को में शामिल होने के संबन्ध में विपक्ष में विचार

(i) ये यह संधि भेदभावपूर्ण है तथा केवल P-5 देशों को ही परमाणु शक्ति सम्पन्न मानती है

(ii) यह गैर-लोकतांत्रिक है

(iii) भारत की संप्रभुता व सुरक्षा के विरुद्ध है

परन्तु यदि इस सन्धि में अपेक्षित सुधार कर इसे लोकतांत्रिक व गैर-भेदभावपूर्ण बनाया जाता है तो भारत द्वारा इन सन्धि में शामिल होने के बारे में विचार किया जा सकता है)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. The maritime security domain requires collective multilateral and regional cooperation to combat non traditional threats. Discuss in the context of threats in the Western Indian Ocean and the recent amendments in the Djibouti Code of Conduct. **(250 words) 15**

भारत के पास 7515 km लंबी समुद्री सीमा है तथा भारत हिन्द महासागर में अपनी महत्त्वपूर्ण स्थिति रखता है अतः समुद्री सुरक्षा का भारत के लिए अत्यधिक महत्व है।

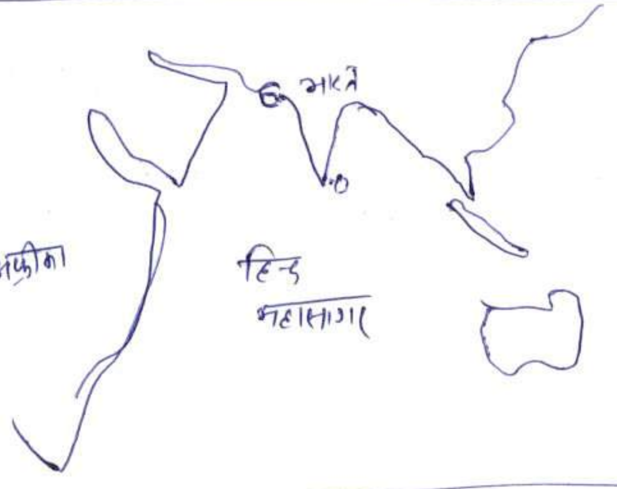

इस क्षेत्र में अनेक परंपरागत एवं गैर-परम्परागत सुरक्षा चुनौतियाँ विद्यमान है।

पश्चिमी हिन्द महासागर में भारत के समक्ष विद्यमान चुनौतियाँ–

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(क) चीन का हम्बनटोटा (श्रीलंका), ग्वादर के बन्दरगाहों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना

(ख) जिबूती में चीन द्वारा सैन्य बेस का निर्माण

(ग) भारत का अधिकांशतः तेल व्यापार इसी क्षेत्र से होता है अतः उसकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है

(घ) आतंकी घुसपैठ- 2008 का मुंबई हमला

अतः स्पष्ट है कि इस क्षेत्र में अनेक के कारण बहुपक्षीय एवं क्षेत्रीय सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

→ भारत द्वारा ईरान में चाबहार बन्दरगाह का निर्माण

→ जिबूती आचरण संहिता में संशोधन

→ इंडियन ओशन रिम असोसिएशन की स्थापना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम द्वारा सैन्य व आपदा प्रबन्धन अभ्यासों का आयोजन

* जिबूती आचरण संहिता के संशोधन

(i) अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत व्यापार मार्गों का संचालन

(ii) समुद्री डकैती के खिलाफ सुरक्षा

(iii) आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक अभियान

अतः उपर्युक्त प्रयासों के द्वारा इस क्षेत्र में शान्ति स्थापित करने में मदद मिल सकती है जो भारत की ~~आर्थिक~~ व संपूर्ण सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India's space programme was initiated with the vision of utilising outer space for peaceful purposes, however with changing times it has the potential to play a significant role in strengthening security capabilities of India. Discuss with adequate examples. (250 words) 15

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत INCOSPAR (Indian National committee on Space Research), 1962 की स्थापना के साथ मानी जाती है। इसके पश्चात 1969 में इसरो की स्थापना इस संबन्ध में मील का पत्थर माना जाता है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लक्ष्य

(क) भारत के आर्थिक, सामाजिक विकास में योगदान देकर उसको सशक्त बनाना

(ख) भारत के समक्ष उपस्थित सुरक्षा चुनौतियों के निवारण का प्रयास करना

(ग) शान्तिपूर्ण तरीकों से अंतरिक्ष का उपयोग करना

(घ) अन्तरिक्ष के संबन्ध में ज्ञान में वृद्धि करना

(च) भारतीय नागरिकों को जागरूक व ज्ञान

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

से परिपूर्ण बनाना

अन्तरिक्ष कार्यक्रम की भारत की सुरक्षा को बढ़ाने में सहायता की जा सकती है इसे निम्न उदाहरणों के माध्यम से समझा जा सकता है-

(i) नाविक (NAVIC) के द्वारा ~~—~~ समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, मछुआरों की सुरक्षा, समुद्री व्यापार की सुरक्षा इत्यादि में सहायता मिल सकती है।

(ii) भारतीय क्षेत्रीय (IRNSS) नौवहन सैटेलाइट प्रणाली - इसके द्वारा भारत की सीमाओं के बाहर 1500 km. तक निगरानी की जा सकती है जिससे अनेक सुरक्षा अभियानों व युद्ध के समय महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की जा सकती है

(iii) मिसाइलों का विकास भी प्रमोचक यान (सेटेलाइट लांच व्हीकल) की डिजाइन व तकनीक पर आधारित होता है। भारत ने अपने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

'IGMDP' कार्यक्रम के माध्यम से अनेक मिसाइलों का विकास किया है। इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा सशक्त हुई है

(iii) अनेक संचार उपग्रहों के द्वारा इंटेलिजेंस की सूचनाओं की आपूर्ति

इसके अलावा भी अनेक कार्यक्रम है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ-साथ सुरक्षा संबन्धी क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।